

1215

1 को 10 पापों उपनिषत् ७ श्रीमद्भागवत आदि  
उत्तर 23-818 की पापों नारी श्री गुरुदेव  
दिल्ली कापल काई पण्डित श्रीपण्डित देवदत्त  
24-2-20 को (उपनिषत्)

उपनिषत् अधिकारी, सूरजपुर

-20

प्राचीन पीडा दुई वर-कार आकाश मण्डल अर्थात्  
अक्षय हर वादी-दाजीर कही आका कही उमकी  
और लौ मोई अक्षयम्मा उपनिषत् आका आका  
श्रीमद्भागवत अक्षय दाजरी अक्षय पेशवी से खारीज  
किया जाता है पदवती केशम अक्षय होकर कश्मीर  
से नम हो वाद जाता है शिवक दफतर है

उपनिषत् अधिकारी, सूरजपुर

